विषय सूची

सम्पादकीय : मधुरेन्द्र कुमार

1. **वाल्मीकि रामायण में प्रशासन पर लौकिक एवं व्यावहारिक नियंत्रण : एक विश्लेषण** — **9–20**
   राकेश कुमार झा
2. **भारत में समान नागरिक संहिता की संकल्पना एवं न्यायिक सक्रियता** — **21–36**
   पूनम बावा, राम चन्द्र
3. **मानवाधिकार एवं भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन** — **37–46**
   विनीता पाठक, अरविन्द कुमार सिंह
4. **आधुनिक भारत में मानवाधिकार–विभिन्न आयाम** — **47–56**
   सुषमा रामपाल
5. **भारत में वैश्वीकरण के कारण, प्रभाव एवं परिणाम** — **57–70**
   रमेश प्रसाद द्विवेदी
6. **दलीय व्यवस्था और भारतीय संघवाद** — **71–82**
   विप्लव
7. **प्राचीन भारत में सामाजिक न्याय : कौटिल्य के अर्थशास्त्र के सन्दर्भ में एक अध्ययन** — **83–102**
   चंचल
8. **भारतीय संविधान में सूचना पाने का अधिकार** — **103–106**
   आदित्य प्रकाश सिंह
9. **चुनाव सुधार : प्रभावी लोकतन्त्र का प्रथम सोपान** — **107–114**
   बीना राय
10. **भारत में महिलाओं की शैक्षणिक स्थिति** — **115–134**
    के.पी. सिंह
11. **सुशासन : समस्यायें एवं सम्भावनायें** — **135–138**
    पूजा नायक
12. **बंग–भंग आंदोलन और प्रेस** — **139–146**
    मनोज कुमार श्रीवास्तव
13. **गठबंधन सरकारें : वरदान या अभिशाप** — **147–152**
    शक्ति जायसवाल
14. **राजस्थान लोक सेवाओं के प्रदान करने की गारंटी अधिनियम, 2011 आम जन को सुशासन की गारंटी** — **153–168**
    मन्ना लाल मीणा
15. **उत्तराखण्ड राज्य में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी–कोटद्वार तहसील के विशेष सन्दर्भ में** — **169–182**
    ऐश्वर्य राणा
16. **महाराष्ट्र की राजनीति में महिलाओं की सहभागिता** — **183–192**

जाधव प्रभाकर गणपतराव

17. नई शताब्दी की वैश्विक चुनौतियाँ और भारत–चीन सम्बन्ध **193–224**
वीरेन्द्र चावरे

18. स्वतंत्र भारत की विदेश नीति का उद्‌गम एवं पण्डित नेहरूः एक शोधपरक आलेख **225–244**
श्याम मोहन अग्रवाल

19. डॉ0 अम्बेडकर के सामाजिक न्याय दर्शन की प्रासंगिकता **245–252**
देवेन्द्र कुमार

पुस्तक समीक्षा

20. कामन्दक एवं शुक्र का तुलनात्मक राजदर्शन, दिनकर त्रिपाठी, मंगलम् प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008, पृष्ठ– 224, मूल्य–रू 480/– **253–254**
संजीव कुमार शर्मा